HINDI

1. ***Name of Department:*** **Hindi**
2. ***Title of Programme:*** **BA**
3. **Program Specific Outcome**

- विद्यार्थियों को कविता और कहानी विधाओं के अतिरिक्त हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों से परिचित करवाना |
- अनुवाद और पत्र लेखन की कला का ज्ञान देना |
- विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना|
- निबंध लेखन और संवाद लेखन द्वारा भावों और विचारों की अभिव्यक्ति में सक्षम बनाना|
- मुहावरों और व्याकरण के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना|
- विद्यार्थियों में लेखन के दौरान होने वाली अशुद्धियों को दूर करना |

4. **Course outcome**

Title of the course	**Course Credit**	**Course outcome**
Hindi Compulsory	2	1.विद्यार्थियों को हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों एवं उनके साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा|
		2.अनुवाद और पत्र लेखन की कला का ज्ञान विकसित होगा जो उन्हें नौकरी देने में सहायक सिद्ध होगा|
		3.संवाद लेखन एवं निबंध लेखन कला के ज्ञान से विद्यार्थी अपने भावों की अभिव्यक्ति में सक्षम होंगे	
		4.हिंदी व्याकरण एवं शुद्ध हिंदी लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा जिसके परिणामस्वरूप लेखन के दौरान होने वाली अशुद्धियों को दूर करने में सक्षम होंगे|
		5.अन्यान्य साहित्यकारों के साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध होगी	

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को गद्य की प्रचलित विधाओं कहानी निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, यात्रा वृतांत और रेखाचित्र जैसी नवीनतम विधाओं से परिचित करवाना|
- हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत करवाना |
- विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप- विवेचन एवं विशेषताओं से परिचित करवाना |
- विद्यार्थियों को उपन्यास के विवेचन एवं विशेषताओं से परिचित करवाना |

Course outcome:

Title of the course	**Course credit**	**Course outcome**
Hindi Literature	3	1.विद्यार्थी कविता कहानी के अतिरिक्त साहित्य की विविध विधाओं से परिचित हुए |
		2.कहानी की विशेषताओं, प्रवृत्तियों एवं हिंदी कहानी की विकास यात्रा से परिचित हुए |
		3.उपन्यास के तत्वों से, स्वरूप से तथा विशेषताओं से परिचित हुए |
		4.साहित्य के विभिन्न पात्रों के अध्ययन मनन से विद्यार्थियों के चरित्र का विकास हुआ |
		5.नैतिक मूल्यों में वृद्धि हुई |
		6.अन्यान्य साहित्यकारों के साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध हुई |

Program Specific Outcome:

- विद्यार्थियों को हिंदी की मध्यकालीन और आधुनिक कालीन पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवनशैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना |
- हिंदी काव्य के मध्य काल से लेकर अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियों एवं कविता के विकास से अवगत कराते हुए काव्य की सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण चेतना को समृद्ध करना |
- काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को दर्शाना |

Course Outcome:

Title of the Course	**Course Credit**	**Course Outcome**
Hindi Literature -II	3	1.विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ-साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध एवं जीवन मूल्यों का विकास होगा।
		2.विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी एवं रचनात्मक कौशल को बढ़ावा मिलेगा	
		3.विद्यार्थियों में नए वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व बोध उत्पन्न होगा	

Program Specific Outcome:

- विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्य विधा की प्रसिद्ध, प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय, सांस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवनशैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना |

- हिंदी गद्य के प्रारंभिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर अद्यतन व्यंग्यात्मक रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं व्यंग के विकास से अवगत कराते हुए व्यंग्य के सामाजिक, मानवीय संतुलन- असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं सामूहिक नेतृत्व को समृद्ध करना |
- व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों को उजागर करते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आम जीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत करवाना |

Course Outcome :

Title of the Course	Course Credit	Course Outcome
Hindi Literature -II	3	1.विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा |
		2.विद्यार्थियों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नए सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व बोध निर्वहन का विकास होगा |
		3.विद्यार्थियों में नए वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व बोध उत्पन्न होगा |
		4.विद्यार्थियों में साहित्य- रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि का निर्माण होगा, रचनात्मक कौशल को बढ़ावा मिलेगा

Program Specific Outcome:

- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए लेखन कौशल का विकास कराना |
- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अंग्रेजी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचय कराना

- विद्यार्थियों को व्यवसायिक/ कार्यालयीन पत्राचार से अवगत करवाना |
- विद्यार्थियों को अंग्रेजी/ मराठी भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद कौशल का विकास कराना |
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना |
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विकास से परिचय कराना |

Course Outcome:

Title of the Course	Course Credit	Course Outcome
Hindi Literature-III	3	1.विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिंदी भाषा-दक्षता में प्रवीणता की प्राप्ति होगी	
		2.विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनाना	
		3.विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों में रोजगार के अवसर व अन्य क्षेत्रों से अवगत होंगे	

Program Specific Outcome:

- विद्यार्थियों को जन संचार भाषा की जानकारी देते हुए व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करना |
- विद्यार्थियों को परंपरागत जनसंचार माध्यमों से परिचय कराते हुए नव्य संचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक के आंतरिक और बाह्य पक्षों के सामाजिक सरोकारों को दर्शाना |
- विद्यार्थियों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, साक्षात्कार, फीचर लेखन से अवगत कराना|
- विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, कंप्यूटर, टेलीविज़न इत्यादि के भाषाई प्रयोगों का परिचय देना|

Course Outcome:

Title of the Course	Course Credit	Course Outcome
Hindi Literature-III	3	1.विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावहारिक भाषा दक्षता की प्रवीणता प्राप्त होगी |
		2.व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भर की संभावना बढ़ेगी |
		3.जनसंचार माध्यमों में रोजगार के क्षेत्रों से परिचय होगा|